सं शो बि /एफ जी / गुड़गांव / 67-86 / 34 629.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि परिवहन आयुक्त हरियाणा चण्डीगड़ । 2. जनरल मैनेजर सेंट्रल बाडी विल्डिंग वक्षाप हरियाणा रोड़बेज, रिवाडी, के श्रीमक श्री रभेश कुमार पुत श्री वलवन्त सिंह, गांव भन्दलोन तहसील झज्जर जिला रोहतक, तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415—3—श्रम—68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495—जी—श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद को विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पचाट तीन मास में देने हेतु निद्धित करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री रमें आ कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? सं० यो० वि०/हिसार/123-86/34638.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि राज्य पिवहन हिसार। 2. परिवहन आयुक्त, हरियाणा चण्डीगड़, के श्रमिक श्री युसफ छान हैल्पर पुत्र श्री मेहरदीन गांव व डा० गोरछी जिला हिसार, तथा उसके प्रवेग्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसिलए, श्रव, श्रोद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के छण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिष्ठिसूचना संज 9641-1-धम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी भिष्ठिसूचना की धारा 7 के श्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रयवा संबंधित मामला है :--

क्या श्री यूसफ खान की सेवाफ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो यह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 23 सितम्बर, 1986

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिणंय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं 9641-1-श्रम-78/32573, दिनाँक 6 नवस्वर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम-स्यामालय रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करने हैं जो कि उक्त प्रयन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित है।

क्या श्रो बलबीर सिंह की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ब्रो॰वि॰/एफ.०डी॰/50-86/35493.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस कारपोरेशन प्लाट नं॰ 45, सैक्टर 6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री ईमैनूयल, मार्फत श्री के॰ एल० शमा, जी-15 श्रोहड प्रेस, कालोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौग्रोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिसूचना की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदावाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उन्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :--- \

क्या श्री ईमैनूयल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह विस राष्ट्रत का इकदार है ?